संस्कृत एवं प्राकृत भाषा–विभाग
दी0 द0 द0 गो0 वि0 वि0, गोरखपुर
बी0 ए0 संस्कृत पाठ्यक्रम
बी0 ए0 प्रथम वर्ष

दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक में पूर्णांक 100 होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र – गद्य एवं पद्य

1. कालिदास	कुमारसम्भवम्	प्रथम सर्ग।	36
2. भारवि	किरातार्जुनीयम्	द्वितीय सर्ग।	36
3. बाण	कादम्बरी –	शुकनासोपदेश।	28

द्वितीय प्रश्नपत्र – नाटक, अलंकार छन्द एवं अनुवाद

1. कालिदास – अभिज्ञानशाकुन्तलम् (निर्णयसागर प्रेस का पाठ) 60

2. जयदेव चन्द्रालोक पंचम मयूख से निम्नलिखित अलंकार 20

छेकानुप्रास, वृत्यनुप्रास, लाटानुप्रास यमक, उपमा, अनन्वय, उपमेयोपमा, रूपक, (भेदरहित), परिणाम, उल्लेख, अपह्नुति (भेदरहित), उत्प्रेक्षा, स्मृति, भ्रान्ति, सन्देह काव्यलिंग, अक्रमातिशयोक्ति, अत्यन्तातिशयोक्ति, चपलातिशयोक्ति, सम्बन्धातिशयोक्ति तुल्ययोगिता, दीपक, प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, निदर्शना, व्यतिरेक, समासोक्ति, भंगश्लेष अर्थश्लेष, अप्रस्तुतप्रशसा, अर्थान्तरन्यास, व्याजस्तुति, विरोधाभास, विभावना, एकावली, विशेषोक्ति, कारणमाला, मालादीपक, परिसंख्या।

3. गंगादास छन्दोमंजरी से निम्नलिखित छन्द 10

अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडित, भुजंगप्रयात, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता।

4. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10

सहायक ग्रन्थ –

डा0 रमेशचन्द्र पाण्डेय (संपादक एवं व्याख्याकार) अभिज्ञानशाकुन्तल (निर्णयसागर सं0)

डा0 कपिलदेव द्विवेदी अभिज्ञानशाकुन्तल

अध्यक्ष
संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग
दी0 द0 उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर - 273009

डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय – अलंकार एवं छन्द

डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डे – कादम्बरी (शुकनासोपदेश)

डॉ0 विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी – चन्द्रालोकसुधा एवं छन्दोमंजरीसुधा।

हरीशदत्त उपाध्याय – छन्दोमंजरी–विलास।

द्विजेन्द्रलाला राय – कालिदास तथा भवभूति।

डॉ0 देवर्षि सनाढ्य – कादम्बरी– कथामुखम्।

वी0 एस0 आप्टे – संस्कृत रचना – डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय द्वारा अनुवाद।

डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी – प्रौढरचनानुवाद कौमुदी।

काले – हायर संस्कृत ग्रामर।

डॉ0 बाबूराम सक्सेना – संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका।

डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी – अभिज्ञानशाकुन्तल– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष

दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक का पूर्णांक 100 होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र – वेद एवं उपनिषद्

1. ऋग्वेदसंहिता – अग्निसूक्त (1.1), विष्णुसूक्त (1.154), इन्द्रसूक्त (2.12), वरूणसूक्त (7.86) पुरूषसूक्त (10.90), प्रजापतिसूक्त(10.121), वाक्सूक्त (10.125)
2. अथर्ववेदसंहिता – सामनस्यसूक्त (3.30), सामनस्यसूक्त (6.64), पृथिवीसूक्त (12.1) के मन्त्र 1 5, 8 12, 15 एवं 45
3. यजुर्वेद, माध्यन्दिनसंहिता, अध्याय 34, कण्डिका 1–6 (शिवसंकल्पसूक्त) 1–3 तक — 50
4. कठोपनिषद् प्रथम अध्याय — 35
5. वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय — 15

द्वितीय प्रश्नपत्र – व्याकरण, संस्कृत साहित्य का इतिहास, आशुपठन एवं निबन्ध

- वरदराजाचार्य लघुसिद्धान्तकौमुदी विसर्गसन्धिप्रकरण पर्यन्त। — 55

अध्यक्ष
संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग
[illegible]
[illegible] 273009

2. शब्दरूप - निम्नलिखित शब्दों के केवल रूप— राम, सर्व, हरि, सखि, भानु, गो, पितृ, रमा, मति, स्त्री, वधू, ज्ञान तथा वारि।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास — निम्नलिखित कवियों एवं कृतियों का परिचय 15
रामायण, महाभारत, अश्वघोष, भास, कालिदास, भारवि, माघ, बाण, भवभूति, शूद्रक, बृहत्कथा, सोमदेव, क्षेमेन्द्र, राजशेखर, पंचतन्त्र, हितोपदेश, गीतगोविन्द, भर्तृहरि, दण्डी, सुबन्धु, श्रीहर्ष, पण्डितराज जगन्नाथ, भट्टनारायण, हर्षदेव, पण्डिताक्षमाराव, अम्बिकादत्त व्यास एवं विश्वेश्वर पाण्डेय।
4. भर्तृहरि — नीतिशतकम् (चौखम्बा प्रकाशन का पाठ)। 15
5. संस्कृत में निबन्ध। 15

सहायक ग्रन्थ

विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी (सं0)— वेदचयनम्।
एम0 आर0 काले - हायर संस्कृत ग्रामर।
वी0 एस0 ऑप्टे— गाइड टू संस्कृत कम्पोजीशन
डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी — संस्कृत व्याकरण।
डॉ0 रामजी उपाध्याय-- संस्कृत निबन्धावली।
वासुदेव द्विवेदी बालनिबन्धमाला।
डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय - लघुसिद्धान्तकौमुदी - विसर्गसन्धिपर्यन्त।
डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय - भर्तृहरिकृत नीतिशतकम् (निर्णयसागर एवं चौखम्बा पाठ)
बलदेव उपाध्याय संस्कृत साहित्य का इतिहास।
चन्द्रशेखर पाण्डेय - संस्कृत साहित्य की रूपरेखा।
वाचस्पति गैरोला संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
डॉ0 सूर्यकान्त - संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास।
डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

20/7/13
अध्यक्ष
संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग
दी0 द0 उ0 गो0 विश्वविद्यालय
गोरखपुर - 273009

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

तीन प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक का पूर्णांक 100 होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र – दर्शन

1. ईशावास्योपनिषद्
2. भगवद्गीता, अध्याय 2, 3 एवं 9
3. भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय
   (जैन, बौद्ध,सांख्य, न्याय, एवं वेदान्त)

इकाई 1– ईशावास्योपनिषद्	20 अंक
इकाई 2– भगवद्गीता, अध्याय 2	20 अंक
इकाई 3– भगवद्गीता, अध्याय 3 एवं 9	20 अंक
इकाई 4– जैन एवं बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय	20 अंक
इकाई 5– सांख्य, न्याय एवं वेदान्त का सामान्य परिचय	20 अंक

सन्दर्भ ग्रन्थ

दत्त एवं चटर्जी– भारतीय दर्शन (अनु0 झा और मिश्र)

माधवाचार्य-- सर्वदर्शनसंग्रहः

द्वितीय प्रश्नपत्र– काव्य एवं काव्यशास्त्र

1. साहित्यदर्पण प्रारम्भ से तृतीय परिच्छेद की कारिका 28 तक
   साहित्यदर्पण के आधार पर वस्तुभेद, नायकभेद, अर्थप्रकृति, कार्यावस्था, पंचसन्धि तथा रूपकभेद का परिचय।
2. माघ शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग।
3. अम्बिकादत्त व्यास शिवराजविजय, प्रथम विराम का प्रथम निःश्वास।

इकाई 1 -- साहित्यदर्पण प्रथम परिच्छेद ।	20 अंक
इकाई 2 -- साहित्यदर्पण द्वितीय परिच्छेद (सम्पूर्ण) एवं तृतीय परिच्छेद की कारिका 28 तक ।	20 अंक

20/7/13
अध्यक्ष
संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग
दी0 द0 उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर - 273009

इकाई 3 – पारिभाषिक शब्द – वस्तुभेद, नायकभेद, अर्थप्रकृति, कार्यावस्था,
पंचसन्धि तथा रूपकभेद । 20 अंक

इकाई 4 – शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग। 20 अंक

इकाई 5 – शिवराजविजय, प्रथम विराम का प्रथम निःश्वास 20 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र– व्याकरण एवम् अनुवाद

इकाई 1 – लघुसिद्धान्तकौमुदी – निम्नलिखित अजन्त शब्दों की रूपसिद्धि –
राम, सर्व, हरि, सखि, पितृ, गो, रमा, मति, तिसृ, गौरी, ज्ञान, वारि तथा दधि।
20 अंक

इकाई 2 – अनडुह्, किम्, तत्, इदम्, राजन्, मघवन्, युष्मद्, अस्मद्, महत्, विद्वस्,
अदस्, वाक्, अप्, अहन्, दण्डिन्, पयस्। 20 अंक

इकाई 3 – लघुसिद्धान्तकौमुदी– समासप्रकरण (समासान्त प्रत्ययों को छोड़कर) 20 अंक

इकाई 4 – निम्नलिखित तद्धित प्रत्ययों का उदाहरण सहित ज्ञान– 20 अंक

अपत्यार्थ – अण्, यञ्, ढक्, यत्, अञ्।

रक्ताद्यर्थक – अण्, तल्।

शैषिक – अण् घ, ख, य, खञ्, ढक्, यत्, छ।

भावार्थ एवं कर्मार्थ – त्व, तल्, इमनिच्, ष्यञ्।

मत्वर्थीय मतुप्, इनि, ठन्, इतच्।

प्राग्दिशीय तसिल्।

निम्नलिखित कृत् प्रत्ययों का उदाहरणसहित ज्ञान:

तव्य, अनीयर्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, ड, क्त, क्तवतु,

कानच्, क्वसु, शतृ, शानच्, तृन्, तुमुन्, घञ्, अप्, क्तिन्, थ,

ल्युट्, क्त्वा, ल्यप्, ण्वुल्, क्विप्, युच्, ल्यु, णिनि।

इकाई 5 – हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद 20 अंक

20/7/13
संयोजक
संस्कृत एवं प्राच्य भाषा विभाग
दी० द० उ० गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर – 273009

बी0 ए0 पालि, पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र – गद्य–पालिसंगहो

डॉ0 रामअवध पाण्डेय एवं डॉ0 रविनाथ मिश्र

द्वितीय प्रश्नपत्र– आशुपठन, पालि साहित्य का इतिहास एवं अनुवाद

(अ) 1. मज्झिमनिकाय – महाराहुलोवादसुत्त, चूलमालुक्यसुत्त, संक्षिप्त महापरिनिब्बानसुत्त।

2. संयुक्तनिकाय धम्मचक्कपवत्तन सुत्त

(ब) पालिसाहित्य का इतिहास–पालि की उत्पत्ति, पालि भाषा के प्रदेश त्रिपिटक साहित्य, बुद्धघोष, धम्मपाल, बुद्धदत्त, अनिरूद्ध एवं वंससाहित्य।

(स) हिन्दी से पालि भाषा में अनुवाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ - सुत्तसंगहो – डॉ0 रविनाथ मिश्र

पालि साहित्य का इतिहास – डॉ0 भरत सिंह उपाध्याय

द्वितीय वर्ष

दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र– सुत्तसाहित्य

1 धम्मपद 1 से 12

2 सुत्तनिपात धनियसुत्त, कासिभरद्वाजसुत्त एवं पवज्जासुत्त।

3 थेरीगाथा पंचको निपातो पर्यन्त।

सन्दर्भ ग्रन्थ 1. भिक्षु धर्मरक्षित धम्मपद, भिक्षु धर्मरक्षित–सुत्तनिपात।

द्वितीय प्रश्न पत्र– व्याकरण अलंकार एवं छन्द

1 बालावतार सन्धि पक्करण।

2 संघरक्षित कृत सुबोधालंकार से निम्नलिखित

20/7/13

अध्यक्ष
संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग
बी0 दी0 उ0 ... विश्वविद्यालय
गोरखपुर ...

उपमा, रूपक, दीपक, अत्थन्तरन्यासो, व्यतिरेको, विभावना, परिकल्पना, निदस्सना, एकावली, भमो, आवुत्ति, विसेसो, सिलेसो, सेमावुत्ते।

3. छन्द– वुत्तोदय।

तृतीय वर्ष

तीन प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

प्रथम प्रश्नपत्र

40 अंक

बौद्ध दर्शन

बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय, चार प्रस्थान–वैभाषिक, सौत्रान्तिक योगाचार एवं माध्यमिक। दुःख, आर्यसत्य, अनित्य, अनात्म, प्रतीत्यसमुत्पाद, अष्टांगिकमार्ग। वसुवन्धु, असंग, आर्यदेव, नागार्जुन, विसुद्धिमग्गो–शीलस्कन्ध 1–2 60 अंक

सहायक ग्रन्थ– बौद्धदर्शनमीमांसा– बलदेव उपाध्याय।

बौद्ध धर्म एवं दर्शन के विकास का इतिहास– गोविन्दचन्द्र पाण्डेय।

द्वितीय प्रश्नपत्र– व्याकरण, काव्य गुण, रस, निरूपण एवं निबन्ध।

1. बालावतार 50 अंक

नामप्पकरणं, समासप्पकरणं, कारकप्पकरणं

2. सुबोधालंकार 30 अंक

3. पालि निबन्ध 20 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र– पालिअभिधम्म एवं भाषाविज्ञान

1. अभिधम्मत्थसंगहो 60 अंक

प्रथम एवं द्वितीय

2. पालि भाषाविज्ञान 40 अंक

मध्यभारतीय आर्यभाषाओं में पालि भाषा का स्थान, पालि भाषा के विकास का क्रम, पालि की ध्वनि संरचना एवं पद विन्यास परिचय।

20/7/13

अध्यक्ष

संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग

दी०द०उ० गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर - 273009